श्यामा आजा दिल में समा जा

श्यामा आजा दिल में समा जा, भक्ति की मस्ती में खो जाऊँ मैं...-2

नौ लाख मैं गऊ बंधवाऊ, माखन मिश्री तुम्हे खिलाऊँ....-2
दूध, दही, ग्वाल बाल चाखे, सेवा कमाऊ दिन रात,
श्यामा आजा……..

सुंदर मूरत मोहन तुम्हारी, जिस पर जाए माँ बलिहारी...-2
मन मोहन मन भाए, तोतली जुबाँ लगे प्यारी,
श्यामा आजा……

बांके हैं नंदलाल और यशोमति, बांके घड़ी जन्मे मुरारी...-2
बांके कन्हैया के बांके भैया, बांके है बृज ग्वाल,
श्यामा आजा…….

मेरे गिरधारी नहीं तुलना तुम्हारी, तुमसे पहले नहीं देखा मुरारी...-2
आजा मेरे पास तेरी, पूजा करूँ दिन रात,
श्यामा आजा……..

हर दम मैं रहूँ मस्तानी, लोक लाज दिनी बिसरानी...-2
रुप रंग अंग अंग समाऊ, मैं गाऊँ खुशी के गीत,
श्यामा आजा……

प्रेम की डोरी बांधी कान्हा से, दुनिया से नाता तोड़ा मैने...-2
हुई बावरी प्रेम बंधन में, मिल गया मन का मीत,
श्यामा आजा…….

अपने चरणों में मुझे बिठा लो, अपना मुझको बना लो...-2
रोम – रोम में मेरे बस जाओ, सुबह शाम जपूँ तेरा नाम,
श्यामा आजा……

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23285/title/shyama-aaja-dil-me-sama-ja

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |